Centre for Chronic Disease Control

WHO Collaborating Centre for Surveillance, Capacity building and Translational Research in Cardio-Metabolic Diseases

प्रदूषित बाहरी वायु से संपर्क और श्वसन स्वास्थ्य

अल्पकालिक प्रभाव

खाँसी और घरघराहट, बार-बार अस्पताल जाना और डॉक्टर की सलाह लेना

बाहरी वायु प्रदूषण - अनेक प्रकार के गैस (जैसे कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन तथा सल्फर के ऑक्साइडस, ज़मीनी स्तर के ओज़ोन, वाष्पशील कार्बनिक योगिक इत्यादि) तथा ठोस तत्त्व (PM 2.5 तथा PM 10) जब वायु की प्राकृतिक विशेषताओं को संशोधित कर उन्हें सांस लेने लायक नहीं रहने देते हैं उसे वायु प्रदूषण कहते हैं। बाहरी वायु प्रदूषण मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जिससे श्वसन संबंधी समस्याएं होती हैं और अस्थमा बढ़ जाता है।

दीर्घकालिक प्रभाव

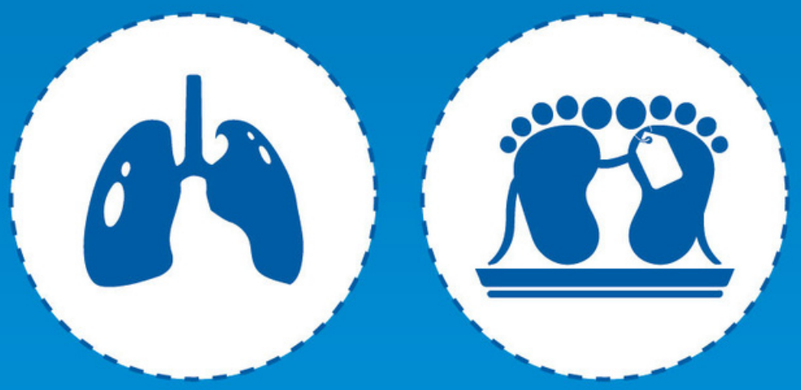

फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी और असामयिक मृत्यु

https://bit.ly/Healthcare4Climate | https://www.greenhospitals.net/